विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय विषय - हिंदी

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 12-05- 2021

पाठ - 2

एक किरण

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में आपको एक किरण कविता का अध्ययन करना है जो इस प्रकार है-

रेशम जैसी हंसती – खिलती,
नभ से आई एक किरण।
फूल - फूल को मीठी - मीठी,
खुशियां लाई एक किरण।
पड़ी ओस की थी कुछ बूंदें,
झिलमिल - झिलमिल पत्तों पर।
उनमें जाकर, दीया जलाकर ,
ज्यों मुस्काई एक किरण।
लाल-लाल थाली – सा, सूरज,
उठकर आया पूरब में।
फिर सोने के तारों जैसी,
नभ में छाई एक किरण।
एक किरण से बदल गया जग,
चिड़ियां गाती गीत चलीं ।
हवा चली, हिल उठे पेड़ सब,
सबको भाई एक किरण।
सूरज आया, दिन मुस्काया,
जागी दुनिया, भोर हुई।
नया - नया मन ताजा जीवन,
सबको लाई एक किरण ।

गृह कार्य :-

- **दिए, गए कविता को अपनी पुस्तिका में लिखे तथा याद करें –**

****

ज्योति